# पाठ -1 ( मन के भोले - भाले बादल )

## कठिन शब्द

1. झब्बर
2. तोंद
3. गुब्बारे
4. कूबड़
5. टकराने
6. मतवाले
7. तूफानी
8. शैतानी
9. जिद्दी

## शब्द अर्थ /पर्यायवाची / समानार्थी

1. दौड़ने - भागने
2. झब्बर - बड़े और फुलावदार
3. कूबड़ - ऊंट की पीठ
4. तोंद - पेट
5. तूफानी - हलचल मचाने वाले
6. शैतानी - शरारत
7. चुपके - छिपकर

8. भोले भाले - सीधे -सादे

विलोम / विपरीतार्थक शब्द

1. आसमान - जमीन
2. काले - सफ़ेद
3. मतवाले - शांत
4. आना - जाना
5. जिद्दी - सुलझा हुआ
6. भोले भाले - तेज तर्रार

वचन -बदलो

1. बाल - बालों
2. गुब्बारा - गुब्बारे
3. ऊंट - ऊंटों
4. बादल - बादलों
5. शैतानी - शैतनियाँ

नुक्ता वाले शब्द

1. दौड़ना
2. कूबड़
3. उड़
4. बाढ़

5. तूफ़ानी

प्रश्न -उत्तर

1) " मन के भोले भाले बादल " कविता के कवि का क्या नाम है ?

उत्तर - मन के भोले भाले कविता के कवि का नाम "कल्पनाथ सिंह " है !

2) बादलों की बनावट कैसी - कैसी होती है ?

उत्तर- बादलों के बाल झब्बर - झब्बर और गाल गुब्बारे जैसे होते है !

3) बादल किनके जैसे प्रतीत होते हैं ?

उत्तर - बादल कभी जोकर के जैसे तोंद फुलाए ,हाथी के जैसे सूँड उठाए ,ऊंट के जैसे कूबड़ वाले और पारियोन के जैसे पंख फैलाये प्रतीत होते हैं !

4) बादल अपने थैलों से क्या निकलते हैं ?

उत्तर - बादल अपने थैलों से पानी निकालकर झर - झर बरसाते हैं !

5) बादल कैसी - कैसी शैतनियाँ करते हैं ?

उत्तर - बादल ढ़ोल बजाकर , चुपके से छत पर आकर , जिद्दी बनकर , नदी - नालों में बाढ़ लाकर आदि शैतनियाँ करते हैं !